News Coverage

Organisation: - Manav Jeevan Vikas Samiti

टीनएजर्स को हेल्दी फूड्स किट का किया डिस्ट्रीब्यूशन

सिटी रिपोर्टर, दमोह| ब्लॉक तेदूखेड़ा के विलेज पिंडरई में गर्वभती, धात्री महिलाओं व किशोरी बालिकाओं को हेल्दी फूड्स किट व मेडिकल किट वितरण की गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रजनी बाला उपाध्याय, सहायिका अस्मिता बाई, प्रतिभा ठाकुर के साथ गर्भवती महिलाओं को किट दिया गया। मानव जीवन विकास समिति ब्लॉक समन्वयक नरेश खटीक, भगवान सिंह, ब्रजेश ठाकुर ने ग्रामवासियों को पोषण आहार किट वितरण किया गया। आजीविका के संबंध में साथ ही उपस्थित महिलाओं को पोषण आहार को किस प्रकार से खाना है वह भी बताया गया। गर्भवती महिलाओं को कोरोना से बचने के संबंध में शासन के दिशा निर्देशों का पालन करने के साथ मास्क लगाने का आग्रह किया गया।

वन मित्र पोर्टल पर दर्ज वन भूमि दावा फार्म पर नहीं हो रही कार्रवाई एकता परिषद ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

विनय उजाला

दमोह/ एमपी वन मित्र पोर्टल पर दर्ज बन भूमि दावा फार्म कार्यवाही को लेकर एकता परिषद के द्वारा एक बैठक करते हुए वन भूमि दावा फार्म पर कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया है जिसमें एकता परिषद जिला इकाई दमोह ने बताया गांव ग्राम सेहरी (बेलघाट) वन मंडल दमोह जिला दमोह मध्य प्रदेश के अन्तर्गत उप वन मंडल तेदूखेडा ,व, वन परिछेत्र रेंज झलोन की बीट सेहरी आरएफ क्रमांक 164 की वन भूमि पर विगत कई वर्षों से कब्जा है कुछ लोगों को 1984ट्ठ85 मै उक्त भूमि के पट्टे दिये गये जिसके वही खाता भी कब्जे धारियों के पास सुरक्षित है जिनमें बाबूलाल पिता निजाम सीगं गौड़ ग्राम मगदुपुरा पटवारी हल्का नंबर 20 राजस्व निरीक्षक मंडलट्ठझलोन विकास खंड /तहसील, तेदूखेडा जिला दमोह मध्य प्रदेश खसरा नं, 634/1 रकवा 0,20 हे, खसरा नं, 639/1 रकवा 0,50 हे, तेजी लाल पिता बाबूलाल सीगं गौड़ पटवारी हल्का नंबर, 15/48 राजस्व निरीक्षक मंडल तेजगढ विकास खंड व तहसील, तेदूखेडा जिला दमोह मध्य प्रदेश,, खसरा नं, 633/1 रकवा 0,50 हे, खसरा नं, 633/3 रकवा 0,24 हे, खसरा नं, 337/1 रकवा 1,116 हे, है।

उसी बडे झाड की वन भूमि का वन अधिकार पत्र दिनेश पिता डिल्ली सीगं गौड़ ग्राम व ग्राम पंचायत सेहरी बीड सेहरी ऋत्र क्रमांक 164 रकवा 1,400 हे, को वन परिछेत्र रेंज झलोन मैं दिनांक 28/02/2015 को वन भूमि अधिकार पत्र प्राप्त हुआ जिस भूमि के पट्टे दिये गये उसी भूमि पर ये सभी कब्जे धारी एक साथ के कब्जा धारी है लेकिन शासन की दोषपूर्ण नीति के चलते लोगों को अधिकार दिलाने से बंचित कर रहे हैं जबकि नियमानुसार कार्यवाही सभी लोगों ने साथ मे की जिसमें टुकड़े टुकड़े में लोगों को बांट कर लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है है मध्य प्रदेश सरकार ने आदिवासियों के अमान्य वन भूमि दावा फार्मों को एमपी वन मित्र पोर्टल पर दर्ज करवाये गयें आवेदकों ने अपने आवेदन अपलोड करवाये जो व्यक्तिगत दावों की वर्तमान स्थिति मैं दावेदार द्वारा दर्ज की गई जिसकी जानकारी दावा नंबर ह्रद्ध46255900003 (1) दावा दर्ज बता रहा है की (2) ग्राम सभा सत्यापन सूचना लंबित (3) ग्राम सभा संकल्प लंबित (4) ग्राम वन अधिकार समिति की अनुसंशा लंबित (5) उपखंड स्तरीय समिति की अनुसंशा अभी तक प्राप्त नहीं हुई (6) जिला स्तरीय समिति का निर्णय अभी तक प्राप्त नहीं हुआ (7) अभिलेख रिकार्ड प्रस्तुत अभी तक नहीं हुआ जिला स्तरीय वन अधिकार समिति जिला दमोह मध्य प्रदेश द्वारा लोगों को गुमराह किया गया है और बन भूमि अधिकार देने के लिए बंचित किया गया है घनश्याम प्रसाद रायकवार अध्यक्ष एकता परिषद जिला इकाई दमोह मध्य प्रदेश ने बताया कि दमोह जिला मै 12600 आवेदनों पर उक्त कार्यवाही गुमराह पूर्ण है उस गुमराह पूर्ण कार्यवाही से वन विभाग लोगों को काबिज वन भूमि से बेदखल करने की कार्यवाही कर रहा है जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली मे प्रचलित याचिका क्रमांक 109/2008 वार्ईल्ड लाइफ ट्रस्ट आफ इंडिया विरूद्ध भारत सरकार एवं अन्य 13/02/2019 एवं दिनांक 28/02/2019 को पारित आदेश के अनुपालन मे वन अधिकार अधिनियम 2006 के निरस्त/अमान्य किये गए दावेदारों को वन भूमि से बेदखली पर रोक लगाई गई है ओर अमान्य वन भूमि दावा फार्मों पर पुन: परीक्षण कराने के लिए राज्य सरकारों को त्वरित कार्यवाही करने को कहा गया है जिसके लिए एमपी वन मित्र पोर्टल पर आवेदन अपलोड करवाये गयें और आदिवासियों को गुमराह किया जा रहा है एकता परिषद ने जब तक 12600 प्रकरणों की पुन: जांच करवाने की मांग कलेक्टर से की गई है साथ ही यह मांग की गई है जब तक जांच पूरी नहीं होती है और समस्या का निराकरण नहीं होता है वन भूमि में काबिज आदिवासियों को बेदखल नहीं किया जाए यदि किसी कारणवश आदिवासी भाइयों को वन भूमि से बेदखल किया जाता है तो सभी आदिवासी एकजुट होकर कलेक्ट्रेट का घेराव करने के लिए मजबूर होंगे।

आदिवासियों ने कहा-वनभूमि से किया बेदखल तो होंगे गंभीर परिणाम, दावा फार्मों पर करें विचार

तेंदूखेड़ा (नप्र)। पूरे जिले के साथ तेंदूखेड़ा ब्लाक में गरीब और भूमिहीन आदिवासी कई वर्षों से उवड़, खावड़ वन भूमि पर कब्जा कर उसे सुधारकर खेती योग्य बना रहे हैं, लेकिन वन विभाग ऐसे लोगों को वनभूमि से हटाने की फिराक में है। इसलिए एकता परिषद ने कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए मांग की है कि उनके दावा फार्मों पर जब तक विचार नहीं किया जाता तब तक उन्हे नहीं हटाया जाए नहीं तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

एकता परिषद एक गैर राजनैतिक जन संगठन है जो जल, जंगल और जमीन के मुद्दे पर वर्षों से काम कर रहा है। सरकार ने आदिवासी वनवासियों के हित में अनुसूचित जनजाति और अन्य वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006, नियम 2008 व संशोधन नियम 2012 बनाया। जिसके तहत वनवासी आदिवासी लोगों ने वन भूमि पर हक प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन लगाए हैं। जिसमें कु छ लोगों के आवेदन मान्य कर लिये गये और कुछ लोगों के अमान्य कर दिए। जिला स्तरीय वन अधिकार समिति द्वारा उन्हीं अमान्य आवेदनों के लिए आवेदकों ने मप्र वन मित्र पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई, पोर्टल की नियमावली के अनुसार वन अधिकार कानून का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन नहीं किया गया। वन विभाग वाले विना वन मित्र पोर्टल पर दर्ज दावा फार्मों का निराकरण कि ए विना ही आदिवासियों को वन भूमि से वेदखल करने की कार्रवाई कर रहे हैं।

तेंदूखेड़ा | अपनी मांगों के संबंध में नारेवाजी करते आदिवासी। ● **नईदुनिया**

जिसके विरोध में अव आदिवासियों के समर्थन में एकता परिषद भी सामने आई हैं। ज्ञापन में वताया कि 26 जून को वन परिक्षेत्र रेंज तारादेही के कर्मचारी कपार्टमेंट 241 वीट वरपटा ग्राम कोसमदा गए और वन भूमि पर काविज आदिवासियों को खेती करने से मना किया। जवकि आदिवासी उसी भूमि पर आवास वनाकर वर्षों से रह रहे हैं और खेती कर रहे हैं।

ज्ञापन में वताया गया कि 25 लोगों ने वन भूमि दावा फार्म भरे थे। जिसमें से वावूलाल गौंड पिता कंछेदी सिंह गौंड़ को 1.053 हैक्टेयर वन भूमि का हक प्रमाण पत्र दे दिया गया है 24 लोग विचाराधीन हैं। ऐसे दमोह जिले में 12600 प्रकरणों पर पुन: जांच कराने की अवश्यकता है। जव तक इन प्रकरणों की पुन: जांच नहीं हो जाती तव तक वन भूमि पर काविज आदिवासी वनवासियों को वेदखल न किया जाए।

एकता परिषद के जिला अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद रैकवार ने वताया है कि उन्होंने 28 जून को दमोह कलेक्टर को ज्ञापन दिया था। जिसमें दावा फार्म पर जांच कराने की मांग की थी जो वन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं, लेकिन उनकी जांच नहीं हुई।

यह भी लिखा था कि जव तक दावा फार्मों की जांच नहीं हो जाती तव तक वनभूमि पर काविज लोगों को वेदखल न किया जाए। ज्ञापन के वाद दावा फार्मों की जांच तो नहीं हुई, लेकिन वन विभाग के अधिकारी जो झलौन और तारादेही में पदस्थ हैं वह आदिवासियों को खेती करने से मना कर रहे हैं और धमका भी रहे हैं। यदि आदिवासी वन भूमि से वेदखल होते हैं तो कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा।

मत्स्योद्योग विभाग की योजनाओं के लिए आवेदन 30 सितंबर तक

पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर हितग्राहियों का होगा चयन

तेंदूखेड़ा। मत्स्य पालन से जुड़े कृषकों तथा मत्स्य पालन करने के इच्छुक जिले के व्यक्तियों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 मे भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग में आवेदन आमंत्रित किये गये है।

सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि इच्छुक मत्स्य पालक/व्यक्ति मत्स्य विभाग में संपर्क कर विभिन्न योजनाएं जैसे मत्स्य बीज उत्पादन हेतु हैचरी निर्माण, संवर्धन पॉड निर्माण, नवीन तालाब निर्माण, मत्स्य पालन हेतु इनपुट्स की व्यवस्था, जलाशय में मत्स्य बीज फिंगरलिंग संचयन, रंगीन मछलियों की रियरिंग एवं ब्रीडिंग ईकाई स्थापना, मत्स्य मार्केटिंग हेतु वयोस्क, मोटरसाईकिल विथ आईस बाक्स, साईकिल विथ आईस बाक्स, रेफ्रीजरेटर व्हीकल, इंसुलेटेड व्हीकल, जलाशय में केज/पेज स्थापना, फिश फीड मिल प्लांट, आईस प्लांट, बायोफ्लोक प्लांट, आर.ए.एस. यूनिट, इत्यादि योजनाओं का लाभ ले सकते है।

उन्होंने बताया कि इन योजना में सम्मिलित गतिविधियों का लाभ लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति/मत्स्य समिति/समूह कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग में 30 सितंबर 2021 तक आवेदन कर सकते है। क्लस्टर आधारित तथा पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर हितग्राहियों को चयन में प्राथमिकता दी जाएगी।

आधुनिक तरीको का इस्तेमाल कर अच्छी फसल लेकर वन रहे आत्मनिर्भर

दमोह। व्यक्ति चाहे तो कुछ भी कर सकता बस उसे बस उसे एक सही मार्गदर्शन की आवश्यकता रहतीं है इसके बाद वह अपनी राह स्वयं खुद चुनकर आगे बढता जाता है लेकिन यदि उसके पास साधन तो है ओर मार्ग दर्शक नहीं है तो फिर आगे बढ़ना मुश्किल रहता है ऐसा ही मामला अंचलपुरा गाँव मैं देखने मिला जहाँ मानव जीवन विकास समिति द्वारा बताए गए उपायों से कुछ किसान आज आत्मनिर्भर होकर अपना रोजगार कर रहे हैं जबकि यही किसान कुछ समय तक छोटा रोजगार कर रहे थे लेकिन मानव जीवन विकास समिति ओर एकता परिषद से आये कार्यकर्ता व सदस्यों ने किसानों को आधुनिक तरीके से फसल करने के साथ कम पानी वाली फसल ओर सब्जी मसाले की खेती करने व बोने के तरीके बताये जब किसानों ने इसका उपयोग किया जिससे खेत हरे भरे दिखने लगे ओर गैर कीटनाशी सब्जी उत्पादन बढने लगा इसे देखकर अन्य किसान भी सब्जी की खेती के लिए प्रेरित हुए है मानव जीवन विकास समिति के ब्लॉक समनव्यक घनश्याम प्रसाद रायकवार नोहटा ने बताया कि गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती करने के लिए किसानों के लिए जुलाई 2020 मैं सब्जी मसाले के पौध तैयार करने हेतु बीजों का वितरण किया गया था तेंदूखेडा ब्लॉक के ग्रामों मैं वितरण किये गए बीजों से किसी ने बड़े रूप मैं किसी ने किचिन गार्डन के रूप मैं सब्जी मसालों का उत्पादन किया अपने अपने खेतों मैं तथा उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क कर किसानों का पंजियन करवाया गया 6 ड्रपसिचाई योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मगदुपुरा के श्री परसोतम पटेल पिता हुकमपटेल, श्री संतोष पटेल पिता नारायण पटेल, श्रीरामसीगं पटेल पिता नंदुपटेल ने जून मैं ड्रपसिचाई योजना का लाभ लेकर अपने खेतों पर बैगन, टमाटर, मिर्च, अदरक, भिंडी, मूली, गोभी का उत्पादन करने का प्रयास प्रारंभ किया गया है जिससे किसानों की खेती के साथ साथ सब्जी उत्पादन का भी कार्य होगा जिससेकिसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ साथ आय दो गुनी आय बढेगी ओर खेती लाभ का धंधा साबित होगा।

जानकारी मानव जीवन विकास समिति कर रही किसानों की समस्या का निराकरण

किसानों को गांव में ही खाद बनाने का उपाय बता रहे

तेंदूखेड़ा। वर्तमान समय में कीटनाशक दवाओं के रेट बढ़ने से किसान काफी परेशान हो गए हैं और उनको उपजी उपज बढ़ाने के लिए बड़े दामों की कीटनाशक दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं। इन समस्याओं के निराकरण के लिए किसानों को गांव में ही खाद बनाने का उपाय मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा किया जा रहा है।

गांव की खेती के लिए गांव में ही बनने वाली खाद को तेंदूखेड़ा ब्लाक के कई गांव के किसान अपना रहे हैं। कुछ किसानों ने जैविक खाद बनाकर उसे अपनी फसल में डालकर फसल तैयार भी की है और उसका फायदा भी मिला है। एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी बीआरएलएफ दिल्ली के सहयोग से गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती कराने के साथ किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। समिति सचिव निर्भय सिंह ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों कीटनाशक दवाओं आदि के उपयोग से कृषि की लागत बढ़ने से अब कम लाभकारी व्यवसाय बनती जा रही है। ऐसे शून्य बजट प्राकृतिक खेती की अवधारणा न केवल किसान बल्कि देश और समाज के लिए भी कल्याणकारी साबित हो रही है। घनश्याम प्रसाद रायकवार ने कहा कि शून्य बजट प्राकृतिक कृषि ऐसी तकनीक है जिसमें कृषि करने के लिए न किसी रसायनिक उर्वरक का उपयोग किया जाता है और न ही बाजार से कीटनाशक दवाएं खरीदने की जरूरत पड़ती है। नंदलाल सिंह, सुरेश सिंह गौंड ने बमनोदा खदरी हार में शून्य बजट प्राकृतिक कृषि प्रारंभ की है। लघु सीमांत किसान व छोटे किसान जिनकी जोत का आकार छोटा होने केसाथ ही कृषि में निवेश की क्षमता है। ऐसे किसानों के लिए महंगी संसाधनों वाली खेती कर पाना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में शून्य बजट प्राकृतिक कृषि एक अच्छा विकल्प है। यह खेतों के साथ साथ मानव और पशु स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित पद्धति है। इसलिए मानव जीवन विकास समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा किसानों के साथ मिलकर गांव में ही गैर कीटनाशी प्रबंधन, प्राकृतिक दवाइयों का निर्माण समूहों केसाथ मिलकर किया जा रहा है।

तेंदूखेड़ा। खेत में मौजूद किसान। ● नंदुनिया

♦♦♦♦♦♦♦♦♦♦

गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती क्षेत्र ओर समाज के लिए कल्याणकारी

तेंदूखेड़ा। मानव जीवन विकास समिति कटनी बी आर एल एफ दिल्ली के सहयोग से गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती कराने के साथ किसानों की आय बढाने का प्रयास किया जा रहा है समिति सचिव निर्भय सिंह ने कहा कि रसानिक उर्वरकों कीटनाशक दवाओं आदि के उपयोग से कृषि की लागत बढने से अब कम लाभकारी व्यवसाय बनती जा रही है ऐसे शून्य बजट प्राकृतिक खेती की अवधारणा न केवल किसानों बल्कि देश ओर समाज के लिए भी कल्याणकारी साबित हो रही है घनश्याम प्रसाद रायकवार ने कहा कि शून्य बजट प्राकृतिक कृषि ऐसी तकनीक है जिसमें कृषि करने के लिए न किसी रसायनिक उर्वरक का उपयोग किया जाता है और न ही बाजार से कीटनाशक दवाऐ

खरीदने की जरूरत पडती है नंदलाल सींग गौड़, सुरेश सींग गौड़ बमनोदा खदरी हार मैं शून्य बजट प्राकृतिक कृषि प्रारंभ की है लघु सीमांत किसान य छोटे किसान है जिनकी जोत का आकार छोटा होने के साथ ही कृषि मैं निवेश की क्षमता है ऐसे किसानों के लिए महंगे संसाधनों वाली खेती कर पाना संभव नहीं है ऐसी स्थिति मैं शून्य बजट प्राकृतिक कृषि एक अच्छा विकल्प है यह खेतों के साथ साथ मानव और पशु स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित पध्दति है,इसलिए मानव जीवन विकास समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा किसानों के साथ मिलकर गाँव मैं ही गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक दवाईयों का निर्माण समूहों के साथ मिलकर किया जा रहा है।

गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती क्षेत्र और समाज के लिए कल्याणकारी

राजपथ टुडे न्यूज. दमोह। एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी बी आर एल एफ दिल्ली के सहयोग से गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती कराने के साथ किसानों की आय बढाने का प्रयास किया जा रहा है। समिति सचिव निर्भय सिंह ने कहा कि रसानिक उर्वरकों कीटनाशक दवाओं आदि के उपयोग से कृषि की लागत बढने से अब कम लाभकारी ब्यवसाय बनती जा रही है। ऐसे शून्य बजट प्राकृतिक खेती की अवधारणा न केवल किसानों बल्कि देश ओर समाज के लिए भी कल्याणकारी साबित हो रही है। घनश्याम प्रसाद रायकवार ने कहा कि शून्य बजट प्राकृतिक कृषि ऐसी तकनीक है जिसमें कृषि करने के लिए न किसी रसायनिक उर्वरक का उपयोग किया जाता है और न ही बाजार से कीटनाशक दवाऐ खरीदने की जरूरत पडती है। नंदलाल सींग गौड़, सुरेश सींग गौड़ बमनोदा खदरी हार मैं शून्य बजट प्राकृतिक कृषि प्रारंभ की है लघु सीमांत किसान य छोटे किसान है जिनकी जोत का आकार छोटा होने के साथ ही कृषि मैं निवेश की क्षमता है। ऐसे किसानों के लिए महंगे संसाधनों वाली खेती कर पाना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति मैं शून्य बजट प्राकृतिक कृषि एक अच्छा विकल्प है यह खेतों के साथ साथ मानव ओर पशु स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित पध्दति है, इसलिए मानव जीवन विकास समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा किसानों के साथ मिलकर गाँव मैं ही गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक दवाईयों का निर्माण समूहों के साथ मिलकर किया जा रहा है।

तेंदूखेड़ा ब्लॉक के गांव-गांव में निशुल्क पौधों देकर किया गया पौधरोपण

लोकोत्तर समाचार सेवा ■ दमोह
www.elokottar.in

मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रुरल लाइवलीहुड फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से ओर निर्भय भाई के मार्गदर्शन मैं जिला दमोह मध्य प्रदेश के ब्लॉक तेंदूखेडा की ग्राम पंचायत व गाँव मैं 100 किसानों को आम अमरूद कठल सहजन (मुनगा) नीबू के 1000 पौधे निशुल्क वितरण किये गए इस अवसर पर घनश्याम प्रसाद रायकवार ने कहा कि लोगों की आय बढाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए फल दार पौधों का वितरण किया गया और जब यह रोपित पौधे पेड़ बन जाएंगे तो पेड़ों से किसान फल प्राप्त करके अपनी आजीविका चलाने मैं सक्षम होंगे कार्बनडाइऑक्साइड गैस की जगह आक्सीजन ग्रहण करेंगे तथा पौधों से मिट्टी का कटाव भी रूकेगा इस कार्य मैं मानव जीवन विकास समिति के कार्यकर्ता साथीयों के साथ किसानों ने भी बढ चढ कर भाग लिया।

Foot March

एकता परिषद ने निकाली पदयात्रा

एकता परिषद की विश्व शांति यात्रा में शामिल लोग। ● नईदुनिया

तेंदूखेड़ा। एकता परिषद ने विश्व शांति पदयात्रा 21 सितंबर से ग्राम वोनी से शुरू की है। जिसका उद्देश्य एकता परिषद के संगठित प्रयासों को पूरे देश, दुनिया में जाना जाए। घनश्याम प्रसाद रायकवार अध्यक्ष एकता परिषद जिला इकाई दमोह ने बताया कि भारत राष्ट्रीय व प्रांतीय स्तर पर शांति और न्याय मंत्रालय की स्थापना हो। न्याय और शांति की आवश्यकता इसलिए है कि भारत में अनेकों जगह हिंसात्मक महौल है। उन क्षेत्रों में अहिंसा व शांतिस्थापना के लिए अनेक स्वैच्छिक संगठन कार्य करना चाहते हैं। शांति सुलह और संवाद के नये प्रयासों को संस्थागत मान्यता देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एक प्रथक न्याय व शांति मंत्रालय होना चाहिए।

एकता परिषद की न्याय और शांति पदयात्रा 21 सितंबर को वोनी गांव से शुरु हुई और रिच्चकुड़ी होते हुये महगवांकला पहुंची। उसके बाद निजाम देवरी होते हुये बुधवार को जामुनखेड़ा पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के महिला, पुरुष शामिल हैं यह यात्रा दो अक्टूबर तक चलेगी। केंद्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद पटेल को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। बाद में दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर जिला स्तर आयोजन होगा।

समाज में समरसता के लिए महत्वपूर्ण है सामूहिक भोजन

तेंदूखेडा, एक्सल समाचार। आज समाज में जहां प्रतिदिन हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं, चारों तरफ वैमनस्यता और अशान्ति का माहौल बन रहा है। वैसे माहौल में सामूहिक भोजन का आयोजन समाज में अहिंसा की स्थापना के साथ-साथ वैमनस्यता को दूर करने का एक हथियार नजर आता है। समाज में अहिंसा, न्याय, शांति की अलख जगाए सामाजिक संगठन एकता परिषद यही कार्य कर रहा है। न्याय और शांति की स्थापना का उद्देश्य के लिए एकता परिषद और सर्वोदय समाज 12 दिवसीय न्याय और शान्ति पदयात्रा पर है। इसी पदयात्रा के दौरान समाज में एकजुटता, समरसता और शांति के भाव को स्थापित करने के लिए हर दिन सामूहिक भोजन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हर वर्ग, लिंग, जाति, धर्म के लोग एक साथ मिलकर भोजन करते हैं। मध्यप्रदेश के दमोह जिले नंदलाल सीगं गौड पदयात्री के रूप में शामिल हैं। वह कहते हैं, सामूहिक भोजन समाज में एकजुटता का भाव पैदा करता है। यात्रा के दौरान हम जिस गाँव से गुजरते हैं और जहां सामूहिक भोजन की व्यवस्था होती है वहाँ के लोगों में एक अलग उत्साह देखने को मिलता है।

उदाहरण के लिए मान लीजिए किसी व्यक्ति ने निजी रूप से भोजन की व्यवस्था की है तो वहाँ सिर्फ उसी व्यक्ति के घर वाले मौजूद रहते हैं, लेकिन यात्रा के दौरान होने वाले सामूहिक भोजन में पूरा समाज शामिल होता है, महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग एक साथ भोजन करते हैं।

खाद व कंबल किए वितरण

तेंदूखेड़ा @ पत्रिका. बुधवार को ग्राम बम्होरी, जामुन, धनगौर मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से ब्लॉक तेंदूखेड़ा की ग्राम पंचायतों में ऑर्गेनिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए किसानों को वर्मी कंपोस्ट खाद व ग्रामों में बेसहारा बुजुर्ग महिला पुरुषों विकलांगो को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक नरेश खटीक, घनश्याम प्रसाद, पंचायत सहायक अजित सिंह लोधी, रामकुमार सिंह व भगवान सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम... झलोंन गांव में किसानों को जैविक खेती के लिए किया प्रेरित

तेंदूखेड़ा/झलोन| मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा झलोंन अंचल के गांव-गांव में किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही जैविक खाद बनाने के तरीका उपयोग, फायदे की महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है। जैविक खादों एवं दवाइयों का उपयोग कर, अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। जैविक खेती से भूमि, जल एवं वातावरण शुद्ध रहेगा और मनुष्य एवं प्रत्येक जीवधारी स्वस्थ रहेंगे। परियोजना समन्वयक चंद्रपाल के निर्देश पर किसानों की आजीविका बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

किसानों को जैविक खेती के लिए किया प्रेरित

झलौन।मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा झलौन अंचल के गांव-गांव में किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया है।जैविक खाद बनाने का तरीका, उपयोग फायदे की महत्वपूर्ण जानकारी दी।जैविक खादों एवं दवाईयों का उपयोग कर, अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।जिससे भूमि, जल एवं वातावरण शुद्ध रहेगा और मनुष्य व प्रत्येक जीवधारी स्वस्थ रहेंगे। ब्लाक समवन्यक नरेश खटीक, रोजगार सहायक भगवान सिंह लोधी द्वारा गांव-गांव में जैविक खाद व दवाइयां बनवाई जा रही हैं जिससे किसानों को खेती में लागत कम और अधिक उत्पादन मिल सके।-नप्र

बनांचल गाँव मैं सिचाई के लिए पानी न उपलब्ध होने के कारण लोगों ने श्रमदान कर खोदे कुआँ

तेंदूखेड़ा/दमोह। एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी जिला दमोह मध्य प्रदेश के द्वारा ब्लॉक तेदूखेडा के ग्रामों मैं जल संरक्षण के प्रति ग्रामवासियों को जागरूक किया जा रहा है साथ ही लोगों की स्थाई आजीविका खडी हो गाँव मैं लोगों के साथ लोगों के अनुसार मिलकर कृषि आधारित गैर कृषि आधारित जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो ओर आय बढे किसानों की घनश्याम प्रसाद रायकवार अध्यक्ष एकता परिषद ने जानकारी दी कि आदिवासी वनवासी भाईयों को बन भूमि अधिकार पत्र प्राप्त हुऐ है लेकिन शासन की मंशानुसार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी के तहत ऊबड खाबड भूमि को समतलीकरण मेंढबंदी कार्य कराने की बाध्यता है लेकिन उक्त योजना का लाभ बास्तबिक किसानों को नहीं मिल रहा है जिससे लोगों ने ग्रामपंचायत मैंसा ब्लॉक तेदूखेडा जिला दमोह मध्य प्रदेश मैं स्वयं अपने श्रमदान कर मेंढ बंधान ओर कुआँ खोद रहे हैं और बंजर भूमि को सिंचित करने का किया प्रयास।

ग्राम पंचायत बमनोदा में चल रहे विकास कार्य, रोजगार मिलने से लोग खुश

तेंदूखेड़ा/,दमोह। जिला दमोह की जन पद पँचायत तेंदूखेड़ा कि ग्राम पंचायत बमनोदा जो कि मुख्यालय से पच्चीस किलोमीटर दूर है।कोविड जाने का नाम नही ले रहा है और सरकार भी रोजगार देने से पीछे नही हट रही है।जब जब कोविड ने अर्थव्यवस्था पर हमला किया है तब तब मनरेगा ने गरीब मजदूरों के लिए आगे चल कर सामने आई है।ग्राम पंचायत बमनोदा के ग्राम केवलारी में मनरेगा योजना के तहत एक तलैया बनाई जा रही है,जिसकी लागत करीब 13 लाख रुपये की लागत से यह तलैया बन रही है।इस तलैया के बनने से पँचायत के कई मजदूरों को भरपूर रोजगार मिल रहा है।रोजगार पा कर लोगो काफी खुश हो रहे है।तलैया काफी गुणवत्ता पूर्ण बनाई जा रही है।उपयंत्री द्वारासमय समय पर चल रहे तलैया निर्माण कि समीक्षा भी की जा रही है।उपयंत्री ने बताया कि अभी खुदाई का कार्य चल रहा है जिसकी मॉनिटरिंग मेरे द्वारा की जाती है मजदूरों के लिए इस कोविड से बचने के लिए मास्क एवम हाथ धोने के लिए सेनेटाइजर की व्यवस्था पँचायत द्वारा करवाई गई है।इस तलैया के बनने से लोगो एवम पालतू जानवरो,जंगली जानवरों के लिए पीने के पानी की समस्या का हल हो जाएगा।ग्राम पंचायत के सचिव केशव साहू बे बताया कि इस निर्माण में लोगो को भरपूर रोजगार मिलने से निकट भविष्य में आने वाले त्योहारों में होने वाले खर्चे में कुछ राहत मिल सकती है।ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक राम दास केवट ने बताया कि ग्रामीणों को सहयोग से ग्राम केवलारी में जो तलैया बन रही है,वह बहुउद्देश्यीय है।इसके पानी से लोगो का निस्तार होगा।खेतो की सिंचाई होगी

केवलारी में वन रही तलैया, लगभग 13 लाख रुपये का स्टीमेट

दैनिक भास्कर दमोह 30-12-2021

आयोजन... मानव जीवन विकास समिति ने ग्रामीणों को वर्मी कंपोस्ट व कंबल बांटे

तेंदूखेड़ा| बुधवार को मानव जीवन विकास समिति के सहयोग से ब्लॉक तेंदूखेड़ा के ग्रामों में वर्मी कंपोस्ट खाद व जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किए गए। ग्राम बम्होरी, जामुन, धनगौर में समिति के सदस्यों ने ऑर्गेनिक खेती को प्रोत्साहन देने किसानों को वर्मी कंपोस्ट खाद एवं ग्रामों में बेसहारा बुजुर्ग, महिला पुरुषों, दिव्यांगों को कंबल प्रदान किए। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक नरेश खटीक, घनश्याम प्रसाद, पंचायत सहायक अजित सिंह लोधी, रामकुमार सिंह, भगवान सिंह मौजूद रहे।

एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति BRLF के सहयोग से जैविक दवाईयां खाद्य बनाने की यूनिट का हुआ उदघाटन

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सहायक ब्लॉक समनब्यक तेदूखेडा हेमंत जी ने किया उदघाटन

तेन्दूखेड़ा। तेंदूखेड़ा/ एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवली हुड फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से जिला दमोह मध्य प्रदेश के ब्लॉक तेंदूखेडा की ग्रामपंचायत व ग्रामों में गैर कीटनाशी प्रबंधन के तहत लघु सीमांत किसानों के साथ मिलकर सम्पन्नता खेती की ओर मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है सहायक ब्लॉक समनब्यक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ब्लॉक तेंदूखेड़ा जिला दमोह मध्य प्रदेश ने कहा कि ग्रामपंचायत सेहरी में देवी स्व सहायता समूह की बहने शांति बाई चंदा बाई उमा रानी अर्चना बाई शोभा रानी बना रही है जैविक दवाईयां और खाद्य कर रहीं हैं अपने खेतों और फसलों पर प्रयोग घनश्याम प्रसाद रायकवार ने बताया कि फसल में आने वाली कीट व्याधि विभिन्न प्रकार के रोगों को रासायनिक कीटनाशी दवाओं के उपयोग के बिना ही नियंत्रित करना गैर कीटनाशी प्रबंधन (एन,पी,एम,) कहलाता है साथ ही इसमें आवश्यक है कि खरपतवार नियंत्रण जैसी गतिविधियों में किसी प्रकार के रसायन का उपयोग नहीं करना चाहिए गैर कीटनाशी प्रबंधन/श्री विधि/जैविक पध्दति से खेती करने के लिए अति आवश्यक है कि गहराई के साथ इसमें अपनाई जाने वाली गतिविधियों को समझा जावे आज के समय में अधिक खेती रासायनिक कीटनाशी दवाओं पर व खरपतवार नाशी दवाओं पर निर्भर होती जा रही है एवं रासायनिक खादों पर निर्भरता के कारण खेती में दिन दूनी लागत बढ़ती जा रही है जिससे खेती घाटे की कृषि में परिवर्तित होती जा रही है

(+रासायनिक खेती के दुष्परिणाम+)

(1) कृषि की निरंतर बढ़ती लागत

(2) भूमि की घटती उत्पादन क्षमता

(3) भयवाह बीमारियों का प्रकोप

(4) भूमि में सूक्ष्म जीवों की संख्या कम होते जाना (मिट्टी की जीवंतता समाप्त होना)

(5) मिट्टी में जल धारण क्षमता कम होते जाना व फसल को अधिक पानी की आवश्यकता

आज खेती में निरंतर रसायनों के प्रयोग के दुष्परिणाम हमारे सामने है एवं स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि यदि इसी प्रकार इनका प्रयोग किया गया जाता रहा तो अन्न के दिन किसान खेती छोड़ने के लिए व पलायन कर मजदूरी करने के लिए ही मजबूर हो जाऐगा अतः आवश्यक है कि विकल्प के रूप में गैर कीटनाशी प्रबंधन/श्री विधि,को अपनाकर स्थिति को सुधारना चाहिए

(गैर कीटनाशी प्रबंधन/श्री विधि के लाभ)

(1) कृषि की लागतों में कमी

(2) भूमि की उत्पादन क्षमता में स्थाई वृध्दि

(3) मानव, पशु, मिट्टी सहित अन्य जीवों के लिए लाभकारी

(4) मिट्टी की जीवंतता बनाये रखना

(5) मिट्टी में जल धारण क्षमता में वृध्दि फसलों को कम पानी की आवश्यकता

....गैर कीटनाशी प्रबंधन के चरण,,

(1) जैविक खाद तैयार करना जिसमें विभिन्न तरल खादें एवं कम्पोस्ट तैयार किये जाते हैं

(2) बीज चयन बीज शोधन बीज अंकुरण परीक्षण

(3) बीज की उचित मात्रा में तकनीकी पूर्ण तरीके से बुवाई (श्री विधि/लाइन बुवाई)

(4) पोषक तत्व का प्रबंधन- (क) जैविक कम्पोस्ट (नाडेप भू- नाडेप वर्मी कम्पोस्ट घनजीवामृत)

(ख) विभिन्न तरल खादें

(ग) विभिन्न कल्चर (पी, एस, बी, राइजोबियम एजेक्टोबेक्टर आदि

(घ) एजोला जैसी मिट्टी में पोषक तत्वों की वृध्दि करने वाली फसल

(5) जैव उर्वरक (बायो कल्चर) का उपयोग कर सूक्ष्म जीवों की वृद्धि करना

(6) विभिन्न कीट व उनके जीवन चक्र की समझ विकसित करना

(7) कीट नियंत्रण-(क)तरल कीट नियंत्रक बनाकर

(ख) अन्य उपाय जैसे फेरोमेन ट्रेप पीली पट्टी बल्ब का प्रयोग

(ग) मुख्य फसल के साथ अन्य कीटरोधी फसलें लगाकर

(घ) कवक नाशक (ट्राइकोडरमा) का प्रयोग

(8) जैविक विधि से खरपतवार नियंत्रण (वीडर द्वारा) किया जाता है जिससे कम समय में अधिक निदाई गुडाई खेत की होती है किसानों का समय और पैसा दोनों बचता है जिससे किसानों की आय बढ़ेगी एवं आर्थिक स्थिति मजबूत के साथ शुध्द जैविक अनाज सब्जियों का सेवन करने से रोग मुक्त स्वास्थ्य समाज का निर्माण होगा जैविक दवाईयों और खाद को बनाने में कम्युनिटीरिसोर्सपर्सन परमसुख गौड़ एवं पंचायत सहायक कार्यकर्ता मिलन बाई का सहयोग देवी स्व सहायता समूह सेहरी के बहनों के साथ रहता है।

गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती पर जोर, कार्यशाला संपन्न

लोकोत्तर समाचार सेवा ■ तेंदूखेड़ा/दमोह
www.elokottar.in

मानव जीवन विकास समिति कटनी बी आर एल एफ दिल्ली के सहयोग से गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है चन्द्रपाल कुस्वाहा ने कहा कि रसानिक उर्वरकों कीटनाशक दवाओं आदि के उपयोग से कृषि की लागत बढ़ने से खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है जरूरत है जीरो बजट प्राकृतिक खेती की जिससे किसानों को ही नहीं बल्कि देश ओर समाज के लिए भी कल्याणकारी साबित हो रही है निवेदिता जी ने कहा कि शून्य बजट प्राकृतिक कृषि ऐसी तकनीक है जिसमें कृषि करने के लिए न किसी रसायनिक उर्वरक का उपयोग किया जाता है और न ही बाजार से कीटनाशक दवाऐ खरीदने की जरूरत पडती है प्राकृतिक कृषि कार्य करने वाले लघु सीमांत किसान य छोटे किसान जिनकी जोत का आकार छोटा होने के साथ ही कृषि मैं निवेश की क्षमता नही है ऐसे किसानों के लिए महगे संसाधनों वाली खेती कर पाना संभव नहीं है ऐसी स्थिति मैं शून्य बजट प्राकृतिक कृषि एक अच्छा विकल्प है यह खेतों के साथ साथ मानव और पशु स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित पध्दति है। इसलिए मानव जीवन विकास समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा किसानों के साथ मिलकर गाँव मैं ही गैर कीटनाशी प्रबंधन प्राकृतिक दवाईयों का निर्माण समूहों के साथ मिलकर किया जा रहा है कार्यशाला में प्रशिक्षक सुश्री निवेदिता जी सुश्री कल्याणी जी अर्विन्द पाटीदार परियोजना समनब्यक चन्द्र पाल कुस्वाहा जी ब्लॉक समनब्यक घनश्याम प्रसाद रायकवार, नरेश खटीक के साथ लाल सींग परमसुख जी मिलन बहिन धन सींग प्रभात सींग रोहित भाई मानसींग खिलानसींग अवलेश भाई रह्लीसींग गैर कीटनाशी से प्राकृतिक खेती करने की जानकारी आयोजित कार्यशाला में कार्यशाला में उपस्थित किसानों ग्रामीणों को दी गई।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ग्रामपंचायत धनेटा बेलघाट मैं एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति द्वारा मनाया गया

तेंदूखेडा / एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा ब्लॉक तेंदूखेडा ग्रामपंचायत धनेटा बेलघाट जिला दमोह मध्य प्रदेश मै अंतर्राष्टीय महिला दिवस मनाया गया कार्यक्रम मैं महिलाओं को शासक्तिकरण के संबंध मैं एकता परिषद जिला अध्यक्ष दमोह घनश्याम प्रसाद रायकवार ने बिस्तार से जानकारी दी कि अंतर्राष्टीय महिला दिवस का इतिहास 1911 मैं 19 मार्च को पहली बार मनाया गया डेनमार्क ओर जर्मनी मैं लेकिन 1921 मै इस तारीख को बदलकर 08 मार्च कर दिया गया 08 मार्च को पूरी दुनिया मैं अंतर्राष्टीय महिला दिवस मनाया जाता है इसकी शुरुआत आज से करीब एक शदी एक शदी पहले समाज बादी आंदोलन से हुई थी आज इसका स्वरूप काफी बदल गया चुका है दुनिया के हर हिस्से मैं महिला दिवस अलग अलग तरीके से मनाया जाता है जिससे महिलाओं को समानता अधिकार मिला है आज महिलायें पंच सरपंच से लेकर सांसद बिधायक जिला सदस्य अध्यक्ष बनने लगीं है लेकिन पुरुष प्रधान ब्यवस्था मैं महिलाओं के नाम पर पुरुष कार्य करते है जिससे महिलाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है इसका बिरोध महिलाओं को करना चाहिए महिलायें शासक्त बने महिलायें शासक्त होगी तो समाज शासक्त होगा मिलन बहिन ने महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं का पुर जोर बिरोध करने एवं जैविक खाद ओर दवाईयां बनाने के संबंध जानकारी दी कार्यक्रम मैं डुकरसता धनेटा सेरी झलोन की माया रानी अशोक रानी सुधारानी गेदारानी बतीबाई सूरज रानी संध्या बाई शांति बाई उमाबाई सीमा बाई रेखा बाई बिमला नामदेव पंचायत सहायक कार्यकर्ता मिलन बहिन, प्रभात भाई धनसीगं मानसीगं रामेश्वर भाई परमसुख भाई इत्यादि लोगों ने भाग लिया,,

फसल की पैदावार बढ़ाने बनाई जा रही जैविक दवाइयां

जैविक खाद बनाकर तैयार करते ग्रामीण। ● नईदुनिया

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया न्यूज)। एकता परिषद और मानव जीवन विकास समति तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रो में कई वर्षों से सहनीय कार्य कर रही है। जिसके कारण ग्रमीण क्षेत्र के किसानों को काफी राहत मिली है। किसानों के साथ मिलकर जैविक दवाइयां बनाने का कार्य भी किया जा रहा है जिससे किसानों को फसल की पैदावार बड़े और उन्हे रासानिक दवाइयां न खरीदनी पड़ें। सेहरी ग्राम में समूह की महिलाओं ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ पहले जैविक दवाइयों से खुदकी फसल तैयार की अब दूसरे के लिये जैविक खाद्य और दवाई बना रही हैं। एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति भारत रुरल लाइवली हुड फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से दमोह के ब्लॉक तेंदूखेडा की ग्राम पंचायत के गांव में गैर कीटनाशी प्रबंधन के तहत लघु सीमांत किसानों के साथ मिलकर परंपरागत खेती की ओर मुड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसका प्रयोग किसान अपनी फसलों में कर रहे हैं।

एकता परिषद और मानव जीवन विकास समति के ब्लॉक समन्वयक घनश्याम रैकवार ने बताया कि अभी तक किसानों ने अपने खेतों में फसल उगाने के लिये रासायनिक दवाइयों का उपयोग कि या है। जिससे कृषि उपज में निरंतर लागत ज्यादा आई है और रासायनिक दवाइयों से भूमि की उपज क्षमता घटी है। भयवाह बीमारियों का प्रकोप भूमि में सूक्ष्म जीवों की संख्या कम होते जाना, मिट्टी में जल धारण क्षमता कम होना, फसल को अधिक पानी की आवश्यकता।

श्री रायकवार ने बताया कि आज खेती में निरंतर रसायनों के प्रयोग के दुष्परिणाम हमारे सामने है। स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहा है कि यदि इसी प्रकार इनका प्रयोग किया गया तो कल के दिन किसान खेती छोड़ पलायन कर मजदूरी करने के लिए ही मजबूर हो जाएगा। जैविक दवाइयों से किसानों को काफी फायदा होगा। जिनमें कृषि उपज में लागत कम आएगी, भूमि की उत्पादन क्षमता में स्थाई वृद्धि, मानव, पशु, मिट्टी सहित अन्य जीवों केलिए लाभकारी मिट्टी की जीवंतता बनाए रखना, मिट्टी में जल धारण क्षमता में वृद्धि, फसलों को कम पानी की आवश्यकता। तेन्दूखेड़ा ब्लाक के किसान जैविक खाद तैयार कर रहे हैं। जिसमें वविभिन्न तरल खाद व कंपोस्ट तैयार की जाती है। बीज चयन, बीज शोधन, बीज अंकुरण, परीक्षण, बीज की उचित मात्रा में तकनीकी पूर्ण तरीकेसे बुवाई। पोषक तत्व का प्रबंधन। तेन्दूखेड़ा ब्लाक में सेहरी गांव की महिलाओं ने एक समूह के माध्यम से देशी जैविक दवाइयां तैयार करने को तैयारी की है। जिसकेलिये जगह मेंलगे पेड़ केपत्ते और उसकी छिपलन का प्रयोग किया जा रहा है।

साथ ही खेती में रासानिक खाद की जगह गोबर से खाद तैयार की जाएगी। जिससे कम समय में अधिक निवाई, गुड़ाई खेत की होती है। किसानों का समय और पैसा दोनों बचता है जिससे किसानों की आय बढ़ेगी व आर्थिक स्थिति मजबूत के साथ शुद्ध जैविक अनाज, सबजियों का सेवन करने से रोग मुक्त स्वस्थ्य समाज का निर्माण होगा। जैविक दवाइयों को तैयार करने का कार्य सेहरी ग्राम से किया गया। जहां उद्घाटन के अवसर पर आजीविका मिशन विभाग से भी अधिकारी मौजूद रहे। ग्राम सेहरी में जैविक खाद तैयार करने का सिलसिला पिछले दो वर्ष से चल रहा है। इस वर्ष धान की फसल सेहरी के ग्रामीणों ने जैविक दवाइयों और देशी खाद से तैयार की है।

सामुदायिक अधिकारों से भ्रमित हैं ग्रामवासी, कर्मचारी कर रहे गुमराह

भास्कर न्यूज़ | तेंदूखेड़ा

सर्रा गांव में सभी समाज के लोग निवास करते हैं। इस गांव में नौरादेही अभयारण्य गेम परिक्षेत्र के अंतर्गत बाउंड्री वाल बनाने का कार्य चल रहा है। उक्त कार्य ग्राम पंचायत सर्रा के बस स्टैंड से लेकर समुदायिक निस्तार वन भूमि पर किया जा रहा था। उक्त बाउंड्री वॉल को बनाने से गांव वालों ने गेम परिक्षेत्र सर्रा अधिकारी से बात की ओर कहा कि जिस वन भूमि एवं राजस्व भूमि द्वारा बाउंड्री वॉल बनाई जा रही हैं, उस पर ग्रामपंचायत सर्रा के निवासियों का समुदायिक निस्तार चलता है। जैसे खेल मैदान, गौ उठान, गौचर, जलाऊ लकड़ी, पत्थर ,मिट्टी, मुरम इत्यादि वन में निवास करने वाले अनुसूचित जनजातियों और अन्य परम्परागत वन निवासियों के जो ऐसे वनों में पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं, लेकिन उनके अधिकारों को अभिलिखित नहीं किया जा सका है। ग्राम विकास समिति सर्रा की मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें सामूहिक निर्णय लिया गया कि 2019-2020 में ग्राम पंचायत वासियों ने समुदायिक वन भूमि दावा फार्म भरकर ग्रामपंचायत सचिव के पास जमा किये थे। उस समुदायिक अधिकार पत्र पर कार्यवाही हुई या नहीं हुई, इसकी जानकारी खरगराम पटेल, सरपंच एवं ग्राम वासियों ने ग्राम पंचायत सचिव ली तो सचिव ने बताया की जनपद पंचायत तेंदूखेडा में जमा किया था। कुछ ग्राम वासियों का आरोप है कि सचिव द्वारा सही प्रकार की जानकारी नहीं दी जा रही है। इसके बाद ग्राम पंचायत वासियों ने लिखित आवेदन दिया। जनपद पंचायत सीईओ, अनु विभागीय अधिकारी राजस्व के समुदायिक निस्तार अधिकार आवेदन पत्र पर उचित कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया। ग्रामपंचायत वासियों ने मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवली हुड फाउंडेशन दिल्ली के तेंदूखेड़ा ब्लॉक समन्वयक घनश्याम प्रसाद रायकवार के समक्ष उपस्थित लोगों ने रखी उस पर कार्यवाही आगे बढ़ाने एवं ग्रामपंचायत वासियों को विश्वास दिलाया कि आप समुदायिक निस्तार अधिकार पत्र , आवेदन की जानकारी सचिव से प्राप्त करें।

जनपद पंचायत सीईओ के पास जाकर लिखित आवेदन दें, जिससे बाउंड्री वॉल बनाने में रोक लगेगी ओर संवाद से गेम परिक्षेत्र अधिकारी सर्रा से बात कर 15 दिवस कार्यवाही करने के लिए दिये गये समुदायिक निस्तार वन भूमि दावा फार्म पर कार्यवाही कर उसकी जानकारी गेम परिक्षेत्र अधिकारी सर्रा को भी अवगत कराने का निर्णय लिया गया।

एकता परिषद ने ग्राम धनेटा ग्राम में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया न्यूज)। एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा ब्लाक तेंदूखेडा ग्राम पंचायत धनेटा वेलघाट में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सशक्तिकरण के संबंध में एकता परिषद जिला अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद रायकवार ने जानकारी दी कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 1911 में 19 मार्च को पहली बार डेनमार्क ओर जर्मनी में मनाया गया। 1921 में इस तारीख को बदलकर 08 मार्च कर दिया गया 08 मार्च को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत करीब एक सदी पहले समाजवादी आंदोलन से हुई थी आज इसका स्वरूप काफी बदल गया चुका है।

तेन्दूखेड़ा/दमोह। केंद्र सरकारद्वारा संचलित मनरेगा योजना अगर निस्वार्थ भावना से लागू की जाए तो उसका सीधा फायदा गरीब लोगों के परिवार वालो को मिलता है।इसके फायदे कई प्रकार से मिलता है।एक तो जो मजबूर इस योजना के तहत मजदूरी करता है इसको मजदूरी मिलती है।जिससे उसके परिवार का भरण पोषण होता है।और जो मजदूरी से निर्माण होता बनाया जाता है तो उसका भी फायदा अन्य ग्रामीणों को होता है।यही मनरेगा योजना ग्राम पंचायत समदई में खूब फल फूल रही है जिसका फायदा दो तरफा हो रहा है।ग्राम पंचायतसमदई के चिन्हित जगहों पर ब्यापक रूप में सार्वजनिक खकरी बन रही है।खकरी निर्माण कार्य ग्राम पंचायत में पिछले किविड के समय से बनाई जा रही है।ग्राम पंचायत समदई में खकरी के माध्यम से गरीब मजबूरों को रोजगार मिल रहा है।जिससे ग्राम पंचायत समदई के लोगो का पलायन रुक गया है और मजदूरी का भुगतान आसानी से होने के कारण लोग खकरी बनाने में अधिक ब्यस्त रहते हैं।दूसरा देखा जाए तो यह खकरी लोगो के खेतों के किनारे किनारे से बनाई गई है।जिस कारण से किसानों की फसलो को मवेशियों से सुरक्षा मिल रही है।खकरी बनने से फसलो का नुकसान नहीं हो रहा है जिस कारण से किसानो कि आय में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।समदई ग्राम पंचायत के अधिकतर निवासी भूमि हीन है और उनकी आय के साधन कोई भी नही है।इस स्थिति में ग्राम पंचायत समदई के रोजगार सहायक धर्मेंद्र यादव ने मनरेगा को विस्तार देते हुए सार्वजिनक खकरी का निर्माण कार्य लगातार चलवा रहे हैं।जिस कारण भूमि हींन मजदूरों को गाँव मे ही रोजगार मिल जाता है और।और इन परिवारों की रोजी रोटी सुचारू रूप से चल रही है।केंद्र सरकार की यह योजना इन मजदूरों के लिये किसी बरदान से कम साबित नहीं है और ग्रामपँचायत में इसका ईमानदारी से संचालन हो रहा है।

जिला स्तरीय कन्वेंजेंस कार्यशाला का आयोजन

तेंदूखेडा/ मानव जीवन विकास समिति कटनी मध्य प्रदेश पिछले 21 वर्षों से बघेलखंड, बुन्देलखण्ड,महाकौशल क्षेत्र के जिलों मैं समुदाय के उत्थान हेतु निर्भय सिंह के मार्गदर्शन मैं प्रयासरत है बर्तमान मैं भारत रूरल लाइवलीहुड (भारत सरकार) दिल्ली के सहयोग से ब्लॉक तेदूखेडा जिला दमोह मध्य प्रदेश की 25 पंचायतें 60 गावों मैं आजीविका कार्यक्रम का संचालन कर रही है जिसमें लोगों की आजीविका खडी हो गाँव मैं कृषि आधारित गैर कृषि आधारित के साथ घनश्याम प्रसाद रायकवार ने बताया कि मृदा एवं जल संरक्षण जैविक कृषि को बढावा देना महिला शासक्तिकरण सरकारी योजनाओं को जन जन तक पहुचाने के साथ आजीविका संवर्धन एवं वन अधिकार कानून अधिनियम 2006-2008 पर जागरूकता व वन अधिकार कानून से प्राप्त वन भूमि पर रचनात्मक कार्यक्रम आदि गतिविधियां शामिल हैं इन्हीं उद्देश्य की पूर्ति हेतु संस्था द्वारा कृषि बिज्ञान केन्द्र दमोह जिला दमोह मध्य प्रदेश मैं ग्यारह बजे से सरकारी बिभागो के साथ जिला स्तरीय कन्वेंजेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया डां, नरेंद्र गुप्ता पशुपालन बिभाग दमोह ने पशु पालन विभाग द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं की बिस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पशुओं के लिए टीकरण ओर बीमा कराना जरुरी है पशुपालन से ही खेती का कार्य जुडा हे उद्यानिकी बिभाग से बरिष्ठ बिज्ञानिक एस कुमार सींग दमोह ने उद्यानिकी बिभाग से जुडी योजनाओं की बिस्तार से जानकारी दी ओर किसानों शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए उद्यानिकी बिभाग के पोर्टल पर पंजियन अवश्य कराये कृषि बिज्ञान केन्द्र निदेशक डां, मनोज कुमार अहिरवाल जी ने कहा कि खेती को लाभ का ब्यवसाय बनाना है तो शून्य बजट खेती यानी परम्परागत खेती को अपनाना होगा कम बर्षा वाली फसलों की अधिक बुआई करें देशी बीजों का उपयोग करें शासन की योजनाओं को हम गाँव गाँव तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं गाँव मैं किसान मित्र किसानों के सहयोग के लिए ही है मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाये उससे खेती को कौन से तत्व की आवश्यकता है उसकी जानकारी मिलती है किसानों को खेती के साथ सब्जी उत्पादन ओर मधुमख्खी पालन करना चाहिए जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत के साथ आय दोगुनी बढेगी ओर बढ रही है चन्द्रपाल कुस्वाहा ने कहा कि मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से 25 पंचायतें 60 गाँव मैं लोगों की आजीविका खडी हो गाँव मैं कृषि आधारित गैर कृषि आधारित गाँव का पलायन रूके महिलाओं को छोटे छोटे उधोग धंधे से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है महिलायें जैविक दवाई खाद्य बनाकर स्वयं किसान भाई उपयोग कर रहे हैं ओर अन्य किसानों को बेच रही है कार्यक्रम तेदूखेडा ब्लॉक के 45 किसानों ओर कार्यकर्ताओं ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन घनश्याम प्रसाद रायकवार ने किया

शान्ति पदयात्रा का हुआ समापन

दमोह। न्याय एवं शान्ति पदयात्रा का हुआ समापन जिला दमोह मध्य प्रदेश 21 सितम्बर 2021 से शुरू ग्राम रिचकुढी ग्रामपंचायत महगुवांकला ब्लॉक तेदूखेडा जिला दमोह मध्य प्रदेश से 57 ग्रामों से 229 किलोमोटर का सफर तय करतेह हुए 2 अक्टूबर 2021 महात्मा गांधी जी की जयंती पर जिला दमोह मध्य प्रदेश पहुची जटाशंकर त्रिमूर्ति तिगड्डा पर महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आम सभा का आयोजन किया गया आम सभा मैं जनप्रतिनिधि समाज सेवी पत्रकार साथी उपस्थित हुए ओर सभा को संबोधित किया न्याय एवं शान्ति पदयात्रा संयोजक घनश्याम प्रसाद रायकवार अध्यक्ष एकता परिषद जिला इकाई दमोह मध्य प्रदेश ने न्याय एवं शान्ति पदयात्रा के उद्देश्यों की जानकारी दी तदपचात मानीय प्रहलाद पटेल जी केन्द्रीय राज्यमंत्री जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण लोक सभा क्षेत्र दमोह मध्य प्रदेश के नाम सांसद प्रति निधि बिधायक श्री पी एल तंतवाये जी हटा को 12 सूत्रीय मागों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया भवदीय घनश्याम प्रसाद रायकवार अध्यक्ष एकता परिषद जिला इकाई दमोह मध्य प्रदेश

वनाधिकार के 90 प्रतिशत अमान्य हुए वन भूमि दावा फार्म

दमोह। अंग्रेजी हुकूमत ओर स्वाधीन भारत की सरकारो द्वारा वन मैं निवास करने वाले य वन पर आश्रित अनुसूचित जनजातियाँ और अन्य वन निवासियों के अधिकारो को अमान्य की क्षति पूर्ति के लिए संसद ने अनुसूचित जनजाति ओर अन्य परम्परागत वन निवासी वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 एवं नियम 2008 पारित किया इस कानून के तहत सभी राज्यों मैं ग्राम स्तर पर वनाधिकार समितियों का गठन कर 13 दिसम्बर 2005 से एवं वन भूमि पर काबिज अनुसूचित जनजातीय समुदाय के लोगों तथा तीन पीढियों से वन भूमि पर काबिज अन्य वन निवासियों से व्यक्तिगत ओर समुदायक दावे आमंत्रित किये गए थे जिसमें 8408 वन भूमि दावे जिला स्तरीय वन अधिकार समिति दमोह जिला दमोह मध्य प्रदेश द्वारा अमान्य किये गए 2019 तक जो पुनः परीक्षण हेतु ग्राम पंचायतों मैं ग्रामपंचायत सचिवों के पास आये उन आवेदनों का पुनः परीक्षण मनमाने तरीके से किया गया लाभार्थियों आवेदकों ने एम पी वन मित्र पोर्टल पर 12600 दावे दर्ज करावें गएँ। वन भूमि दावा मै 95% दावे अमान्य किये गए वन अधिकारों से वंचित किये जाने के कारण जिले के वन मैं निवास करने वाले बंचित समुदाय के लोगों मैं वन अधिकार कानून के क्रियान्वयन पर सवालिया निशान लगा हुआ है कर्मचारियों की हठधर्मिता के चलते राष्ट्रीय स्तर पर वनाधिकार दावों के भारी संख्या मैं रद्द होने से जन जातीय क्षेत्रों मैं व्यापक असंतोष है अनेक जन संगठनों ने इस प्रक्रिया मैं सरकारी तंत्र द्वारा अपनाई गयी उदासीनता तथा लापरवाही की ओर केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया सरकार ने भी कुछ कमेटियों का गठन कर राज्यों मैं वनाधिकार कानून के परिपालन की स्थिति का अध्ययन कराया वनाधिकार कानून ओर नियम मैं स्पष्टता का अभाव भी परिलक्षित हुआ है केन्द्र सरकार ने नियम 2008 मैं व्याप्त विसंगतियों दूर करने के लिए संशोधन नियम प्रस्तावित किये तथा उन पर आपत्तियां ओर सुझाव आमंत्रित किये 6 सितम्बर 2012 को राजपत्र मैं अधिसूचना का प्रकाशन कर अनुसूचित जनजाति ओर अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) संशोधन नियम 2012 घोषित किया गया इन नियमों मैं ग्राम सभाओं की भूमिका को सशक्त बनाया गया है दावों को अमान्य करने की प्रक्रिया को संशोधित कर उसे समावेशी बनाया गया है वनोपज के परिवहन हेतु ग्राम सभा द्वारा परमिट देने की व्यवस्था की गई है तावे प्रस्तुत करने की समय सीमा खत्म कर इसे इसे सतत् जारी रहने वाली प्रक्रिया के रूप मैं मान्य किया गया है।